Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

फिल्म : मतदान व्यवहार का आईना

आरती वर्मा[1] , डॉ संगीता माथुर[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर (राजनीति विज्ञान) कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, कोटा
[2]एसोसिएट प्रोफेसर कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, कोटा

परिचय : आधुनिक समाज मे फिल्मे एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जो हमे समाज, संस्कृति और राजनीति की मानसिकता को समझने मे मदद करती है। पूरे इतिहास में, फिल्मों ने राजनीतिक विचारधाराओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय स्थिति को प्रतिबिंबित करने और उन पर टिप्पणी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देखा जाए तो फिल्में राजनीति को चित्रित करने, उसकी आलोचना करने, जनमत को आकार देने और राजनीतिक प्रवचन को प्रभावित करने में तथा उनके प्रभाव की जांच करने के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम करती हैं। हिंदी सिनेमा ने हमेशा से भारतीय राजनीति और समाज के मुद्दों को जगमगाते अंधकार से रोशनी की ओर ले जाने का काम किया है। फिल्में समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और वे आमतौर पर समाज में विभिन्न मामलों को दर्शाने, प्रशंसा करने, विवादित मुद्दों पर चर्चा करने और समाज को सोचने पर प्रेरित करने का माध्यम हैं। हम इस सेमिनार के माध्यम से यह समझेंगे कि कैसे फिल्मे वास्तविकता के आईने के रूप मे काम करती है और कैसे वे राजनीतिक मामलो को प्रभावित करती है। आज के समय में फिल्में महत्वपूर्ण माध्यम हो गई हैं, जिनसे समाज के विभिन्न मुद्दों को उठाया जाता है और मतदान व्यवहार भी इन मुद्दों में शामिल हो सकता है। फिल्में मतदान प्रक्रिया के महत्वपूर्ण मामलों को दिखा सकती हैं, जैसे कि वोटर सप्रेमेसी, चुनावी जातिगतता, भ्रष्टाचार आदि। यह उन घटनाओं को दिखाती है, जो एक नागरिक के जीवन पर सीधा प्रभाव डालती हैं। फिल्में एक आईना की तरह हो सकती हैं जो मतदान व्यवहार की समझ करने में मदद करता है। यह हमें जागरूक करती है कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है, नागरिकों की भागीदारी क्यों महत्वपूर्ण होता है, और अधिकारिक तंत्र के माध्यम से अपनी आवाज को कैसे व्यक्त कर सकते हैं। फिल्मों द्वारा यह भी दिखाया जा सकता है कि कैसे राजनीतिक नेताओं के प्रभाव में या निर्देशन में आकर मतदाताओं की विचारधारा बदल सकती है। प्रस्तुत सेमिनार मे 'फिल्म मतदान व्यवहार का आईना' को समझने के लिए हमे निम्न बिन्दुओ को समझना पड़ेगा जो इस प्रकार है :–

I फिल्मों का महत्व –फिल्में हमारे समाज के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो हमारे विचारों, भावनाओं, और नवीनतम समाजिक मुद्दों को प्रदर्शित करने का एक माध्यम हैं। फिल्में हमारे जीवन में मनोरंजन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। वे हमें समय बिताने का एक मजेदार तरीका प्रदान करती हैं साथ ही हमें अलग–अलग रूपों में मनोरंजन करने की सुविधा देती हैं। फिल्में हमें हँसने, रोने, संवेदनशील होने ,संघर्ष करने और सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करती हैं फिल्में सामाजिक परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण क्रांति को प्रोत्साहित करती हैं। एक अच्छी फिल्म हमें समाज में उभरते मुद्दों के बारे में सोचने और उनके बारे में बात करने की प्रेरणा देती है। यह हमें अन्य लोगों के अनुभवों और दृष्टिकोणों को समझने की क्षमता देती है और हमें सामान्य बातचीत और समाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करती है। फिल्में आदर्शों और मूल्यों को प्रदर्शित करने का माध्यम हैं।

II फिल्मे और राजनीति के मध्य संबंध –फिल्मों और राजनीति के मध्य एक गहरा संबंध होता है। दरअसल फिल्म और राजनीति दोनों ही माध्यम हैं जो समाज में बदलाव लाने और विचारों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। एक ओर फिल्म एक प्रमुख मनोरंजन का स्रोत होती है और लोगों को मनोरंजन, आनंद और मनोभावना की अनुभूति प्रदान करती है, दूसरी ओर राजनीतिक मुद्दों पर भी प्रभाव डालती हैं। कई फिल्में वास्तविक या काल्पनिक राजनीतिक घटनाओं पर आधारित होती हैं। ये फिल्में

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

राजनीतिक प्रक्रियाओं, राजनीतिक नेताओं और सत्ताधारियों के द्वारा अपनाए जाने वाले नीतियों को भी दिखाती हैं। इसके अलावा' फिल्मों के माध्यम से नागरिकों को राजनीतिक मुद्दों के प्रति जागरूकता दिलाई जाती है और उन्हें प्रेरित किया जाता है कि वे अपनी सरकारों और नेताओं के प्रति सवाल उठाएं। विशेष रूप से भारतीय सिनेमा में फिल्मों ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को उठाया है और उन्हें सामाजिक दरबार में लाए हैं। कई फिल्में भारतीय राजनीति, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय विचारधारा के मुद्दों को दर्शाती हैं और लोगों को राष्ट्रीयता और सामाजिक उत्थान के प्रति प्रेरित करती हैं।

III फिल्म और मतदान व्यवहार के मध्य संबंध–फिल्म और मतदान व्यवहार के बीच कुछ संबंध हो सकते हैं, जिन्हे हम निम्नलिखित बिन्दुओ से समझ सकते हैं:

- **विचारों को प्रभावित करना:** फिल्में आमतौर पर सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों को प्रभावित करने का काम करती हैं। फिल्मों में दिखाए गए विचार और अभिव्यक्ति वोटर्स को मतदान करते समय उनके फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं।
- **धर्मनिरपेक्षता:** फिल्मों में धार्मिक, जातीय और सामाजिक मुद्दों को उठाने का प्रयास किया जा सकता है। ऐसी फिल्में मतदाताओं के मनोभावन मामलों को प्रभावित कर सकती हैं और इसके आधार पर मतदान व्यवहार पर प्रभाव पड़ सकता है।
- **जनसंपर्क** - फिल्मों की मदद से राजनीतिक पार्टियां अपने संदेशों को जनता तक पहुंचा सकती हैं। वे चुनावी प्रचार के लिए फिल्म स्टार्स का उपयोग कर सकती हैं और उनके प्रशंसकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं। इसके बाद मतदान व्यवहार पर भी प्रभाव पड़ता है क्योंकि लोग फिल्म स्टार्स की प्रतिष्ठा और उनके आपके प्रति विश्वास पर ध्यान देते हैं।
- **नाटकीयता:** कुछ राजनीतिक मामलों को फिल्मों में नाटकीय तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, जिससे लोगों को राजनीतिक घटनाओं के प्रति संवेदनशील होने का अनुभव होता है। ऐसे मामलों पर मतदान व्यवहार पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह लोगों के मनोभाव को गहरी तरीके से प्रभावित कर सकता है फिल्मों में दिखाए गए किसी नायक या मुख्य पात्र के विचारधारा और सिद्धांत आम जनता को प्रभावित कर सकते हैं। जब उन्हें यह दिखाया जाता है कि कैसे एक व्यक्ति ने विपरीत परिस्थितियों में न्याय करने के लिए संघर्ष किया है, तो लोग इसे प्रेरणा मान सकते हैं और मतदान करते समय उसी आदर्श को ध्यान में रख सकते हैं।
- **सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता:** कई फिल्में सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का काम करती हैं। ये मुद्दे जैसे कि लिंग, जाति, धर्म, समानता, न्याय, आदि मतदान के दौरान महत्वपूर्ण हो सकते हैं और इन मुद्दों पर फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुति वोटर्स को सोचने पर मजबूर कर सकती हैं। ये मुद्दे उन्हें मतदान करने के समय फैसला करने में मदद कर सकते हैं।
- **प्रचार और प्रभाव:** फिल्मों की व्यापक प्रचार और प्रभावशाली क्षमता होती है, जिसके माध्यम से वे वोटर्स को विशिष्ट धारणाओं, राजनीतिक पार्टियों और नेताओं के पक्ष में प्रभावित कर सकती हैं। फिल्म उद्योग इसका उपयोग चुनावी प्रचार के लिए करता है और यह वोटर्स को एक निश्चित दिशा में प्रेरित करने में मदद कर सकता है। फिल्मों का माध्यम उम्मीदवारों और राजनीतिक पार्टियों के लिए विपक्षी या सहयोगी प्रभाव डाल सकता है। कुछ फिल्में नाराजगी, आपत्ति या प्रशंसा के कारण चर्चा का विषय बन सकती हैं, और ये चर्चाएं मतदान परिणामों पर प्रभाव डाल सकती हैं।
- **नेता का चरित्र:** फिल्मों में दिखाए गए नेताओं के चरित्र मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। एक सकारात्मक और ईमानदार नेता के प्रतीक रूप में पेश किया जाने वाला चरित्र मतदाताओं को सत्यापित कर सकता है और उन्हें सकारात्मक राजनीतिक विचारों की ओर प्रेरित कर सकता है।
- **राजनीतिक विवाद:** फिल्में राजनीतिक विवादों को उजागर कर सकती हैं और मतदाताओं को उन्हें समझने और उनपर अपनी धारणाओं को जांचने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। यह मतदाताओं को

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

सकारात्मक तरीके से अपने राष्ट्रीय नेताओं के मसले पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं ।

- **निर्वाचन प्रक्रिया का प्रभावः** कुछ फिल्में उस संदर्भ में बनाई जाती हैं जहां मतदान व्यवहार दिखाया जाता है, जैसे कि नेताओं के चुनाव में वोट डालने की प्रक्रिया जो जनता के मन में ये सवालों को उठाती हैं कि मतदान करने का महत्व क्या है और वोटर पर क्या प्रभाव होता है।
- **मतदाताओं के व्यवहार की प्रतिस्पर्धाः** कुछ फिल्में मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के व्यवहार को प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से दर्शाती हैं। इससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि कैसे नेता और राजनीतिक दल मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।
- **मतदान के प्रभावः** फिल्में मतदान के प्रभाव को भी प्रदर्शित कर सकती हैं, जैसे कि एक फिल्म द्वारा दिखाया जाता है कि किस तरह से एक व्यक्ति अपने मतदान के माध्यम से बदलाव ला सकता है और समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

यह संबंध फिल्म और मतदान व्यवहार के बीच कुछ आम संबंध हैं, जो ये निर्भर करते हैं कि फिल्म को किस प्रकार से और कैसे उपयोग किया जाता है, जो सभी व्यक्ति और समाज के लिए भिन्न हो सकते हैं।

IV फिल्मों में लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिष्ठानय– फिल्में एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं जो सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाती हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों को फिल्मों में प्रतिष्ठान देना एक मुख्य आदर्श है, जो मानवता, स्वतंत्रता, न्याय, भागीदारी, और मानवीय अधिकारों की महत्वाकांक्षा को प्रोत्साहित करता है। लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिष्ठान करने वाली फिल्में आमतौर पर न्याय, ईमानदारी, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक संस्कृति के महत्व को प्रकट करती हैं। ये फिल्में समाज की दिक्कतों, अन्यायों और समस्याओं के विषय में विचार करने का माध्यम बनती हैं। इन्हें देखकर लोगों को उन विचारों और मूल्यों का आदर्श दिखाया जाता है जो एक लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला होते हैं। अगले पीढ़ियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के लिए, फिल्मों का उपयोग अभिनीत हो सकता है ताकि सामाजिक संदेश और महत्वपूर्ण मूल्यों को दर्शाने में मदद मिल सके। इसके लिए निर्माताओं, निर्देशकों और लेखकों को अपनी कहानियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ बनाने और प्रदर्शित करने की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

V राजनीतिक फिल्मों में मतदान का प्रदर्शन–: राजनीतिक फिल्मों में मतदान का प्रदर्शन अक्सर एक महत्वपूर्ण और रोमांचक तत्व होता है। ये प्रदर्शन फिल्म की कहानी में मतदान की प्रक्रिया को दिखाता है और जनता के मताधिकार और लोकतंत्र की महत्ता पर ध्यान केंद्रित करता है। मतदान के प्रदर्शन को अलग–अलग तरीकों से दिखाया जा सकता है। इसमें जनता के समूहों द्वारा मतदान करने का दृश्य, लोगों का पंक्तियों में लगना, मतदाताओं को अपना मतदान देने के लिए पुरानी या नई तरह के मशीनो के पास जाने का दृश्य शामिल हो सकता है। यह दृश्य राजनीतिक फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को यह भी दिखाता है कि लोकतंत्रिक प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है और मतदान एक नागरिक का अधिकार है। ऐसे फिल्मों में मतदान का प्रदर्शन जीवंत, उत्साहजनक और गर्वभरी होता है, क्योंकि इससे लोगों को यह दिखाया जाता है कि उनकी आवाज महत्त्वपूर्ण है और उनका मत राजनीतिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान है। इसके साथ ही, ये फिल्में उठाने वाली राजनीतिक मुद्दों, चुनावी दंगों और चुनावी युद्धों को भी दिखा सकती हैं, जिन्हें बहुत समय तक फिल्म की कहानी के माध्यम से परिभाषित किया जा सकता है। मतदान का प्रदर्शन राजनीतिक फिल्मों में जनता के संघर्ष, देशभक्ति और नागरिकों की सामाजिक जवाबदेही को दर्शाने का एक माध्यम होता है। ये फिल्में जनता को प्रेरित करती हैं और उन्हें लोकतंत्र की महत्वपूर्णता पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

VI **फिल्मों का मतदाताओं पर प्रभावः** –फिल्मों का मतदाताओं पर प्रभाव आमतौर पर बहुत होता है। एक फिल्म के माध्यम से लोग नई विचारों, दृष्टिकोणों और अनुभवों से परिचित होते हैं और इन्हें अपने जीवन में लागू करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। यहां कुछ मुख्य तत्व हैं जो फिल्मों द्वारा मतदाताओं पर प्रभाव डाल सकते हैंः

- **विचारों और दृष्टिकोणों का प्रभावः** फिल्में आमतौर पर किसी कहानी के माध्यम से विभिन्न दृ ष्टिकोणों, सामाजिक मुद्दों और समस्याओं को प्रस्तुत करती हैं। जब लोग इन दृष्टिकोणों के साथ साझा करते हैं, तो उन्हें समाजीकरण, सामाजिक न्याय और अन्य अभिव्यक्तियों के प्रति जागरूकता विकसित होती है।
- **आदर्शों का प्रभावः** फिल्में आमतौर पर आदर्शों को प्रदर्शित करती हैं, जैसे कि साहस, सहनशीलता, स्वतंत्रता, प्रेम, विश्वास और न्याय। जब लोग इन आदर्शों को फिल्मों के माध्यम से देखते हैं, तो वे इन गुणों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करते हैं।
- **सामाजिक परिवर्तनः** कुछ फिल्में सामाजिक मुद्दों और परिवर्तनों पर ध्यान केंद्रित करती हैं और मतदाताओं को सोचने और बदलाव करने के लिए प्रेरित करती हैं। जब लोग फिल्मों के माध्यम से ऐसे सामाजिक संदेशों से परिचित होते हैं, तो वे अपने समुदाय में सकारात्मक परिवर्तनों का समर्थन करने के लिए उत्साहित होते हैं।
- **कला और मनोरंजनः** फिल्मों का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन प्रदान करना होता है, लेकिन कला और मनोरंजन का संयोग दूसरों को प्रभावित करने का भी कार्य कर सकता है। फिल्मों के माध्यम से कला की रचनात्मकता, नई रूपांतरण की क्षमता और मनोहारी गतिशीलता को प्रदर्शित किया जा सकता है, जिससे मतदाताओं में सृजनशीलता और आदर्शता की भावना पैदा होती है।

यद्यपि फिल्में विभिन्न लोगों को अलग–अलग ढंग से प्रभावित कर सकती हैं, जिनमे विचारों, दृष्टिकोणों और आदर्श तथ्यों का महत्वपूर्ण योगदान होता है जो समाजीकरण, समग्र विकास और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं।

VII **–राजनीतिक फिल्मों की अवधारणाओं और विचारधाराओं का मतदान व्यवहार पर प्रभावः**–राजनीतिक फिल्में विचारधाराओं, अवधारणाओं और राजनीतिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती हैं। ये फिल्में जनता को नई विचारधाराओं की ओर मोड़ने, राजनीतिक मुद्दों को उठाने और सामाजिक संदेशों को साझा करने का एक माध्यम हो सकती हैं। इसलिए, ये फिल्में जनता पर मतदान व्यवहार और राजनीतिक समझ में निम्नलिखित प्रभाव डाल सकती हैंः

- **विचारधाराओं का प्रभावः** राजनीतिक फिल्में विभिन्न विचारधाराओं को प्रस्तुत कर सकती हैं, जैसे कि लोकतांत्रिक, सामरिक, राजनीतिक या समाजवादी आदि। इन फिल्मों के माध्यम से जनता को विभिन्न राजनीतिक अवधारणाओ और विचारधाराओं की पहचान करने और समझने में मदद मिल सकती है। इस प्रकार, वे अपने मतदान के आधार पर फैसला लेने में सक्षम हो सकते हैं।
- **राजनीतिक प्रभावः** राजनीतिक फिल्में जनता के मनोभावनाओं, दर्शकों के अनुभवों और राजनीतिक आंदोलनों पर प्रभाव डाल सकती हैं। ये फिल्में राजनीतिक नेताओं के पार्श्वभूमि, प्रशंसापत्र या निंदापत्र के रूप में काम कर सकती हैं और उनकी स्थिति को सुधारने या खराब करने का प्रयास कर सकती हैं।
- **विश्वास और संबंधों का प्रभावः** राजनीतिक फिल्में विश्वास और संबंधों पर भी प्रभाव डाल सकती हैं। ये फिल्में प्रशंसापत्र के रूप में काम करके लोगों के विश्वास और समर्थन को प्रभावित कर सकती हैं। जब दर्शक अपनी पसंद की राजनीतिक फिल्में देखते हैं, तो वे उन फिल्मों के मुख्य पात्रों के साथ एक व्यक्तिगत संबंध बनाने का अनुभव करते हैं। इससे नेताओं को उन दर्शकों का आदर्श वर्तमान करने का अवसर मिलता है, जिससे मतदान व्यवहार पर प्रभाव पड़ता है।

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

- **समाचार मीडिया पर प्रभाव:** राजनीतिक फिल्में वास्तविकता को छायाचित्रित करके समाचार मीडिया पर भी प्रभाव डाल सकती हैं। जब एक फिल्म राजनीतिक घटनाओं की कल्पना करती है और दर्शकों को रियलिटी के रूप में प्रस्तुत करती है, तो उन्हें समाचार मीडिया के बारे में नई दृष्टि प्राप्त होती है और वे उसे नयी रूप से समझते हैं।

इन सभी प्रभावों के साथ, राजनीतिक फिल्में लोगों के मतदान व्यवहार पर प्रभाव डाल सकती हैं। यह निर्भर करता है कि लोग कैसे इन फिल्मों को समझते हैं, क्या उन्हें ये फिल्में केवल मनोरंजन के रूप में देखी जाती हैं या उन्हें इसका गहन अर्थ निकालने का प्रयास करते हैं। फिर भी, राजनीतिक फिल्में सामाजिक जागरूकता, नेताओं की विश्वासार्हता और जनता के मतदान व्यवहार पर व्यापक प्रभाव डाल सकती हैं।

VIII –फिल्मों का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मतदान प्रचार में योगदान–फिल्मों का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मतदान प्रचार में योगदान काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। यह फिल्मों की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेशों को व्यक्त करने का एक माध्यम होता है, जो अपने कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। यह उन्हें विशेष दृष्टिकोण और विचारधारा प्रदान कर सकता है और साथ ही मतदाताओं की संख्या में वृद्धि कर सकता है।

राष्ट्रीय मतदान में, फिल्मों का प्रचार विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जैसे कि ट्रेलर, टीजर, रेड कार्पेट प्रदर्शन और मीडिया साक्षात्कार। इसके अलावा फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं की मतदान करने की अपीलें और चुनावी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी भी मतदान प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इससे नागरिकों के बीच मतदान उत्साह और सहभागिता बढ़ सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय मतदान में, भी फिल्मों का एक महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। विभिन्न देशों में प्रदर्शित होने वाली फिल्में अंतर्राष्ट्रीय माध्यम से लोगों तक पहुंच सकती हैं और उन्हें विभिन्न मामलों, समस्याओं और चुनावी मुद्दों के बारे में जागरूक कर सकती हैं। फिल्मों के माध्यम से दूसरे देशों की सांस्कृतिक विरासत, समाजशास्त्रीय अध्ययन, राजनीतिक विचार और अन्य मामलों के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। फिल्मों का मतदान प्रचार उदाहरण के रूप में देशों के अंतर्राष्ट्रीय मतदान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। फिल्में आमतौर पर समाजवादी, वातानुकरण, महिला सशक्तिकरण, जाति, लिंग और अन्य मामलों को उठाती हैं, जो मतदान प्रक्रिया में जनता की दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकते हैं।

संक्षेप में कहें तो, फिल्मों का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मतदान प्रचार में योगदान उन्नति का माध्यम हो सकता है और जनता को चुनावी मुद्दों और सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक कर सकता है। यह उन्हें विचारों और मानवीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील बना सकता है और साथ ही उनके द्वारा लिए गए निर्णयों को प्रभावित कर सकता है

IX–नेताओं के प्रचार के रूप में फिल्मों का उपयोग– नेताओं के प्रचार के रूप में फिल्मों का उपयोग एक प्रचलित रणनीति है जिसे चुनावी या राजनीतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसका मकसद उम्मीदवार या दल के संदेश को लोगों तक पहुंचाना और उनका प्रचार करना होता है। फिल्मों का उपयोग नेताओं को विभिन्न तरीकों से लाभदायक साबित हो सकता है। यहां कुछ तरीके हैं जिनमें फिल्मों का उपयोग किया जाता है:

- **बायोपिक्स:** नेताओं के जीवन पर आधारित बायोपिक्स फिल्में उनके व्यक्तित्व, कार्यक्षेत्र और योगदान को प्रदर्शित कर सकती हैं। इसके माध्यम से नेता अपने समर्थकों के बीच अपने संदेश को साझा कर सकते हैं और उन्हें इंस्पायर कर सकते हैं।

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

- **सोशल ड्रामा:** फिल्मों के माध्यम से नेता राजनीतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं। एक गाथा के रूप में व्याप्त चरित्र, संघर्ष और विचारधारा के माध्यम से नेता अपने दृष्टिकोण को प्रदर्शित कर सकते हैं। ऐसी फिल्में लोगों के भावनात्मक अनुभवों को प्रभावित करने में मदद कर सकती हैं।
- **प्रचारार्थ फिल्में:** नेता चुनावी प्रचार के लिए फिल्मों का उपयोग कर सकते हैं। इन फिल्मों में नेता अपने कार्यक्षेत्र में किए गए उपलब्धियों को प्रदर्शित कर सकते हैं और अपने विरोधी दल के खिलाफ अपने विचारों को प्रस्तुत कर सकते हैं।

X –फिल्मों का उपयोग– नेताओं को उनकी संदेश पहुंचाने के लिए एक प्रभावी और मनोहारी तरीका हो सकता है, लेकिन इसके अलावा भी यह मानवाधिकारों, संविधानिक मामलों और लोकतंत्र के मूल्यों का उल्लंघन कर सकता है। फिल्मों का उपयोग करते समय, नेता और राजनीतिक दलों को इस बात का ध्यान देना चाहिए कि उनका संदेश ईमानदार, सत्यापित और जनसाधारण के हित में होना चाहिए।

XI –उदाहरण– फिल्मों की उदाहरणात्मक छवि के माध्यम से मतदान व्यवहार पर प्रभाव का विश्लेषण किया जा सकता है, यहा कुछ फिल्मों के उदाहरण दिए जा रहे हैं, जो मतदान व्यवहार को आईना दिखाती हैं:

- **"नायक" (1993):** इस फिल्म में एक महिला पत्रकार रंजिता (श्रीदेवी) राजनीतिक दल के अन्दर कर्मचारी के रूप में घुस जाती है और मतदाताओं की समस्याओं को उठाती है। यह फिल्म वोटर अभियान की महत्वपूर्णता को दर्शाती है और मतदान के महत्व पर जोर देती है।

- **"रंग दे बसंती" (2006):** यह फिल्म आंदोलन और नागरिक सहभागिता के महत्व को दर्शाती है। इसमें एक समूह छात्रों को एक मूर्त लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत को उठाने के लिए एक नाटक का आयोजन किया जाता है। इस फिल्म ने मतदान और सामाजिक जागरूकता के विषय में गहरा संदेश प्रदान किया है।

- **"शूरवीर" (2019):** इस फिल्म में दीपिका पादुकोण एक विकलांग खिलाड़ी लक्ष्मी अग्रवाल का किरदार निभाती है, जो अपने प्रतिरोधकों के खिलाफ संघर्ष करती है और बदलाव को लेकर मतदान को उजागर करती है। यह फिल्म मतदान के महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रस्तुत करती है और अपराध के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक बदलाव की महत्वता को दिखाती है।
- **"नीरजा" (2016):** यह फिल्म उस व्यक्ति की कहानी बताती है जो मतदान केंद्र में होने वाले एक हमले में शहीद हो जाता है। यह फिल्म मतदान करने की महत्वपूर्णता को दर्शाती है और लोगों को अपने हकों के लिए उठने की प्रेरणा देती है।
- **"राजनीति" (2005)** – इस फिल्म में मतदान प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से दिखाया गया है।
- **"चुनाव" (2019)** – यह फिल्म मतदान के व्यवहारिक पहलुओं को दर्शाती है जैसे कि जनसंख्या के साथ वार्तालाप और प्रचार मंच प्रदर्शन।
- **"नेता" (2007)** – यह फिल्म मतदान व्यवहार और राजनीतिक दलों की वास्तविकता को परिप्रेक्ष्य में लेती है।
- **"अय्यारी" (2018)** – इस फिल्म में मतदान प्रक्रिया के पीछे के राजनीतिक खेल को उजागर किया गया है।

Career Point International Journal of Research(CPIJR)
©2022 CPIJR | Volume 3 | Issue 2 | ISSN : 2583-1895
September -2023 | DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.10251979

- **"नये जमाने की मतदान"**–इस फिल्म में मतदान और निर्वाचन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- **"शहीद"**–इस फिल्म में मतदान के लिए देशभक्ति और सामरिक जज्बे के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया है।
- **"लोकतंत्र"**–इस फिल्म में राजनीतिक विवादों, मतदान के महत्व, और नागरिकों की शक्ति पर विचार किया गया है।

- **"वोट"**–इस फिल्म में मतदान के प्रभाव, लोगों के मतदान में दिखाए गए व्यवहार, और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित है। इन फिल्मों के माध्यम से आप मतदान व्यवहार के अहम् मुद्दों पर विचार कर सकते हैं और उनके द्वारा जो सामाजिक संदेश दिए गए हैं उन पर भी चर्चा कर सकते हैं

इस प्रकार हमने देखा है कि हिंदी फिल्मों ने कैसे मतदान व्यवहार को आवश्यकतानुसार प्रतिबिंबित किया है। ये फिल्में न केवल मनोरंजन का माध्यम होती हैं, बल्कि इन्हें समाजशास्त्र, राजनीति, और व्यक्तिगतता के माध्यम से अधिकारों और मुद्दों को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन माना जा सकता है। हमें इसका महत्व और प्रभाव समझने के लिए फिल्मों को मतदान व्यवहार का आईना मानना चाहिए। फिल्में हमें समाज की असलीयत को दर्शाती हैं, और हमें सोचने और कार्यवाही करने के लिए प्रेरित करती हैं। फिल्में हमारे समाज की मिट्टी में गहरे निहित हैं और इन्हें मतदान व्यवहार के बारे में गंभीर विचार करने का एक आदर्श तरीका माना जा सकता है। मतदान व्यवहार सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक मायनों में महत्वपूर्ण होता है और फिल्में इसे दर्शकों के सामने प्रस्तुत करके समाज के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने का एक माध्यम बन सकती हैं। फिल्म एक आईना बना सकता है जो मतदान व्यवहार को दिखाता है और लोगों को मतदान महत्वपूर्ण होने का अहसास करता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित करना और उन्हें विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों के बारे में जागरूक करना होता है। यह एक शिक्षात्मक माध्यम होता है जो लोगों को मतदान के महत्व को समझाने और उन्हें देश के संसदीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़ने का काम करता है।